भजन

तर्ज- लाई वी न गई ते निभाई वी न गई

छिपाई भी न गई और बताई भी न गई
मोहे मिल गया सतगुरू प्यारा
लागी तुझ संग हुई जाहिर प्रीतमा
जब पिऊ पिऊ रूह ने पुकारा
1- साथ हो तुम पर माहौल अजब है
इलमें इश्क का नशा ही अलग है
हो..मैं समझी न तेरा ईशारा
2- न ही वो अदायें न ही वो फिजायें
क्या कहूं पिया कुछ कहा नहीं जाये
यहाँ कुछ भी नहीं गंवारा
3- दुख हो या सुख अब और नहीं जीना
और नही जीना बस और नहीं जीना
यहाँ आना नहीं दुबारा और नहीं पीना बस और नहीं पीना
यह कैसा जाम तुम्हारा
4- इश्क में तेरे तेरा प्यार छिपा है
प्यार में तेरे हर राज छिपा है
दिल खोल के दे दे दीदारा